वि भगवानोवाच्यु:- रुद्र भगवानोवाच्यु भी कहा जाता सकता है।क्योंकि शिव माला नही गाई गई
जो कि भक्ति मार्ग मे मनुष्य बहुत फेरते है। इसका नाम रखा हुआ है रुद्रमाला। बात है तो एक ही।
न्तु यह टैप में शिव ही पढाते है तो वो नाम ही होना चाहिये। परन्तु रुद्र माला नाम चला ही आय
तो वो ही समझना पड़ता है। शिव और रुद्र मे कोई फर्क नही है। बच्चो की बुधी मे है कि हम अ
ली पुरुषार्थ करके शिव की माला मे नजदीक ही पिरोये जावे। यह दृष्टान्त भी बताया हुआ है।
से बच्चे दौडी पहन कर जाते है तो भाग कर जाकर फिर वापस आते है तो आकर अपनी टीचर को पकड़
लेते है। तुम बच्चे भी जानते हो कि हमने अब 84 का चक्र पुरा लगाया है अब हम दौडी पहन कर जाकर
शिव बाबा की माला मे पास मे ही पिरोये जावे। वो तो है ह्यूमन-ह्यूमन स्टुडन्टस की रेस। यह
तो है रूहानी रेस। वो रेस तो तुम कर भी नही सकेंगे। यही है रुह आत्माओं की बात। आत्मा तो एक
ही है। आत्मा को ही अपने बाप को याद करना है।इसमे कोई तकलीफ की बात नही है। भल पढा
लिखी भी हो जावे। उसकी कोई तकलीफ नहीं कुछ भी नही है। सभी आत्माये भाई-2 है।उस रेस मे तो
जवान तीखे भागेंगे। यही तो वो बात नहीं। तुम बच्चो की रेस है रुद्र माला मे पिरोये जाने की।
बुधी मे है कि हम आत्माओं का भी झाड है। वो है बाबा के सभी मनुष्य मात्र की मात्र। ऐसे नही कि
सिर्फ 108 की वा 16108 की ही माला होती है। नही इनकी तो 500 करोड जो सभी मनुष्य मात्र
है उनकी ही माला होती है। बच्चे समझते है कि हर एक कल्प-2 अपने ही जगह पर विराजमान होंगे
कल्प-2 उस जगह पर ही आते रहेंगे। यह भी तो वन्डर है नी। दुनियां इन बातो को नही जानते
... मे भी जो विशाल बुधी वाले है वो इन बातो को जानते है। बच्चो को बुधी मे यही ना
है कि हम दुसरो को भी कैसे रास्ता बतावे? यह है विष्णु की माला। शुरू से लेकर सिजरा
कि छोटो तक चला आता है। डाल-टाल-टालियां सभी है नी। वहाँ भी छोटे-2 आत्माये ...
मनुष्य। फिर यही पर सभी आत्माये इ ऐक्युरेट जाकर खडी होगी। यह वन्डरफुल बाते है
...य तो वो स्कुल वन्डर्स देखते है। परन्तु वो तो कुछ भी नही है। यह कितना वन्डर है जो सर्व का
सदगति दाता परमपिता आकर पढाते है।कृष्ण को सर्व का सदगति दाता थोडेही कहेंगे।तुमको यह सब
पुआईन्टस भी धारन करनी है। मूल तो बात ही है गीता के भगवान की। इस पर ही जीत पहनी
गीता है ही सर्व शास्त्र मयी शिरोमणि श्रीमदभगवान की गाई हुई।पहले-2 यही प्रसिद्धी करनी है। आजक
तो बहुत भभका चाहिये।जिस दुकान मे बहुत शो होता है वहाँ पर मनुष्य बहुत जाते है। समझते है
यहाँ पर अच्छा माल होगा।अब देहली मे आपस मे मिलते है तो भी राय देते रहते है।बच्चे डरते है
****
कि इतने बडे-2 सेन्टर खोले तो लाख दो लाख पगडी देनी पडेगी। तब कहीं दिल पसंद मकान मि
जरा पैसे भी होने चाहिये। एक तो रायल बडा दुकान हो। बडे-2 दुकान तो बडे-2 शहरो मे ही निकल
है। तुम्हारा सबसे बडे ते बडा दुकान निकलना चाहिये कैपीटल मे। देहली ही मे तो सेमीनार करने जा
है नी। तब बच्चो को विचार सागर मंथन करना चाहिये कि कैसे सर्विस बढावे। बहुत बडा-2 दुकान
निकालेंगे तो बडे-2 आदमी आवेंगे। बडे-2 आदमी का आवाज भी झट ही फैलता है।पहले-2 तो यह
करनी चाहिये। बडे-2 सेन्टर का स्थान किस जगह बनावे जो बडे-2 जो बडे-2 मनुष्य आकर देखकर
कदर रखावे। और फिर वहाँ पर समझाने वाले भी बहुत फर्स्ट क्लास होने चाहिये। कोई एक
भी हल्की ब्रह्माकुमारी होती है तो समझते है कि शायद सारी की सारी ऐसी ही है। इसलिये दु
पर सेल्स मैन भी अच्छा फर्स्ट क्लास चाहिये। बाप कहते है कि हिम्मते बच्चे मददे बाप-दादा। यह
विनाशी धन तो कोई काम नही आयेगा। हमको तो अपनी ही अविनाशी कमाई करनी है। इसी
का ... ... इसमे भी ... को ... ... करते है। तुम भी खाते हो यह भी

वाले ...... पर जो खान-पान मिलता है वो गरीबों को भी नहीं मिलता है। यह सब कुछ भी तो बाबा का ही है ना। बच्चों को अपनी राजाई स्थापन करनी है। इसमें बड़ी विशाल बुद्धि चाहिये। बाबा पहले भी राय देते हैं कि देहली में एकबहुत बड़ा स्थान हो। वहां पर ऐसा तो दुकान जमाओं जो कि मनुष्य कदर ...... फर्स्ट-2 तक नामाचार निकल जावे। कैपिटल में नाम निकला तो सभी समझ जावेंगे। कहेंगे गीता को ब्र.कु. झूठा सिद्ध कर बताते हैं। बोलो यह तो सच्च बताती है। कृष्ण को कोई भगवान थोड़ेई कहेंगे। विश्व का मालिक तो भगवान ही बनावेगा ना। मनुष्य-2 को विश्व का मालिक थोड़ेई बनावेंगे। बाबा सर्विस की वृद्धि के लिये राय देते रहते हैं। सेमीनार करने का जो पुरुषार्थ करते हैं वो .... आप ही ऐसा शुभ कार्य करना ... तो बहुत ही अच्छा है ना। आपही जो करे सो देवता कहने पर करे सो मनुष्य, कहने पर भी नहीं करे.... बाप तो दाता है ना। बाबा थोड़ेई किसीको कहेंगे कि यह करो। इस काम में इतने लगाओ। नहीं। यह भल कहे भी परन्तु मैं नहीं कह सकता हूं। बाबा ने समझाया है कि बड़े-2 आदमियों का हाथ कबभी सीधा नहीं रहता है। राजायें तो दाता होते हैं। बाबा राय देते हैं कि जाकर ...-2 करना चाहिये। खबरदारी भी बहुत चाहिये। माया पर जीत पानी है। पिछाड़ी में रिजल्ट निकलनी है। फिर जो बहुत मार्क्स से पास होते हैं उनको तो खुशी भी बहुत होती है। पिछाड़ी में सब ... तो सब होंगे ना। परन्तु उस समय तो कर ही क्या सकेंगे। तकदीर में जो है वो ही मिलता है। पुरुषार्थ हर बात में करना होता है। कर्म पुरुषार्थ को कहा जाता है। कर्म अकर्म विकर्म की बात अलग है। ...... की अलग आते हैं। बाप बच्चों को समझाते हैं कि विशाल बुद्धि बनो। अब तुम धर्मात्मा बनते हो। और ...... में धर्मात्मा तो बहुत होकर गये हैं ना। बहुत यहां का नामाचार होता है। फलाना बहुत धर्मात्मा ...... था। कोई तो पैसे कठे करते-2 अचानक ही की मर जाते हैं। फिर ट्रस्ट बनते हैं। कोई कच्चा ... है। ...... तो दूसरी ... है। इस समय तो यह है ... परमात्माओं की दुनिया। ... नम्बर में ...... करते हैं। जैसे कि कश्मीर का महाराजा था। विल करके गया कि आर्यसमाजियों को ...... धर्म वृद्धि को पावे। अब तुमको क्या करना है। किस धर्म को तुमको वृद्धि में लाना है? और सनातन तो देवी देवता धर्म है ही है। यह भी किसीको पता नहीं है। अभी तुम फिर से स्थापना कर रहे हो। ब्रह्मा द्वारा स्थापना...प्रजापिता तो ढेर बच्चे हो जाते हैं ना। अब बच्चों को एक तो द. रहना चाहिये। तुम याद के बल से ही सारी सृष्टी को पावन बनाते हो। क्योंकि तुम्हारे ही लिये पवित्र दुनियाँ चाहिये। इनको आग लगने पर ...... बनती है। खराब चीज को आग में पवित्र बनाते हैं ना। इसमें सब अपवित्र ...... पड़ कर फिर पवित्र होकर निकलेगी। तुम जानते हो कि यह बहुत ही-2 तमोप्रधान दुनियाँ है। फिर ...... होनी है। यह ज्ञान यज्ञ है ना! तुम हो ब्राह्मण। यह भी तुम जानते हो। शास्त्रों में तो अनेक बातें लिख दी हैं। यज्ञ पर फिर दक्ष प्रजापिता का नाम रखा है। फिर ज्ञान यज्ञ कहाँ गया इसके लिये भी ...-2 बैठ कहानियाँ लिखी हैं। ढेर की ढेर कहानियाँ हैं। बाप ही आकर सबकुछ समझाते हैं। अब तुम बच्चों ने यज्ञ रचा है श्रीमत पर। यह है ज्ञान यज्ञ। और फिर स्कूल भी हो जाता है। ज्ञान और यज्ञ अलग दोनों ही अलग-2 हैं। यज्ञ में तो आहुती डालते हैं। यहां पर शास्त्रों ...... आदि की कुछ भी बात नहीं है। ज्ञान सागर बाप आकर यज्ञ रचते हैं। यह बहुत भारी बेहद का यज्ञ है। जिसमें ही पुरानी सारी दुनियाँ स्वाहा होनी है। तुम बच्चों को तो सर्विस का प्लान बनाना है। भल गाँव आदि में भी सर्विस करो। तुमको बहुत मनुष्य राय देते हैं कि गरीबों को यह ज्ञान देना चाहिये। खुद कोई काम नहीं करते हैं। सिर्फ राय ही देते हैं कि ऐसे-2 करो। है तो बहुत अच्छा परन्तु हमको तो फुरसत नहीं है। नालेज बहुत अच्छी है। सबको यह नालेज मिलनी चाहिये। ... जो बड़ा आदमी तुमको छोटा आदमी समझते हैं तुम तो समझते हो ना कि हमारे आगे तो यह कुछ भी नहीं है। यह तो जैसे कि ईडियट है। बाप ...

......

पढे- तो वो तो `इमर्जेन्सी का केस भी कर देवे। तुमको तो बहुत खबरदार रहना है।उस पढाई के साथ पढाई भी मिलती रहती है। पढाई से ही मैनर्स अच्छे-2 आते है। अनपढे तो जैसे कि बुधु। कैसे बात चाहिये अक्ल नही है। बडे आदमी से आप कह कर बातें करनी चाहिये।यहां पर कोई-2 ऐसी भी स्त्रियें है जो कि पति को भी तुम कह देगी।आप अक्सर रायल है। बडे आदमी को आप कहेंगे। तो बाबा पहले राय देते है कि देहली परिस्तान था अब वो कब्रस्तान है। देवी देवताओं का राज्य था नां।) बच्चे जानते है कि अब फिर से परिस्तान बन रहा है।तो देहली पर ही चढाई करनी चाहिये। बाबा कहते रहते है कि मे सेन्टर्स कायम करो। वहां पर तो बहुत बडे-2 आदमी आते रहते है। ऐडवरटाईजमेन्ट बहुत अच्छा हो स है। टापिक्स भी बताते रहते है। टापिक्स की लिस्ट बना लो। फिर लिखते जाओ कि विश्व मे शान्ति स्थापन हो सकती है वो आकर समझो। 21जन्मो के लिये निरोगी कैसे बन सकते हो वो आकर स ऐसे-2 बाते बाबा बहुत समझाते रहते है कि सेविस मे आना विश्व का मालिक को ऐसे-2 खुशी भी याद करते रहो। 21जन्मों के लिये डबल सिरताज धारी सतयुग अक्षर तो सभी मे डालो। सतयुग ऐसा करो.....मोटे-2 अक्षर हो तो मनुष्य देखकर खुश हो। पर मे यह बोर्ड ऐसे-2 चित्र आदि हो। अपना धन्धा आदि भी भल करो।साथ-2 ही सर्विस भी करते रहो।बच्चे मे ही सारा दिन बोर्डर होता है।) बच्चे उमर से सिर्फ याद करना होता है। बाकी काम को तो असिस्टेन्ट मैनेजर्स चलाते कोई से लोग पास फिर होते है तो असिस्टेन्ट को जरूरी पगार देकर भी गदी पर बिठा देते है। यह बेहद की सर्विस है।और सब है हद की सर्विस। इस बेहद कि सर्विस मे कितना विशाल बुधी होना च विश्व पर जीत पाते है। काल पर भी हम जीत पाकर अमर बन जाते है। ऐसे-2 लिखत लिखो कि आकर समझो। समझने की कोशिश करो। अमरलोक का मालिक आप कैसे बन सकते है जनको समझावे। बहुत टापिक्स निकाल सकते हो। तुम फिर विश्व का मालिक बना पर दुःख का नाम निशान नही रहता है।बच्चो को तो कितनी खुशी होनी चाहिये। वो से क्या बनाने आये है।बच्चे जानते है अब पुरानी दुनिया से नई बननी है। मौत भी सामने खडा देखते हो कि लडाई लगती रहती है। रूस वाले कहते है कि अगर हमे गुस्सा आ जाता तो सारे विश्व आग लग जाती।, समझते तो है नां कि अगर बडी लडाई लगे तो खेल ही खलास हो जायगा। है कि कुछ ऐसा आसार है।यथार्थ रीती नही जानते है।तुम तो जानते ही हो। बाबा बहुत प्यार है मीठे-2 बच्चो विश्व की बादशाही तुम्हारे लिये है। तुम विश्व के मालिक थे भारत मे। तुमने अथाह सुख देखे है वहां दुःख का तो नाम भी नही था। तो उतनी ही खुशी भी होनी चाहिये बच्चों को आपस मे मिल कर राय निकालनी चाहिये। पहले-2 तो बाबा राय देते है कि देहली मे मकान जमीन लेकर भी बनाओ। बाबा बैठा है नां।, बाप को कोई परवाह नही है। हमारे बहुत र है। जमीन लेकर मकान बनाने मे कोई देरी नही लगती है। एक ही मास मे बहुत फस्ट क्लास सकता है।अखबारो मे भी डालना चाहिये। देहली मे तो भी ऐरोप्लान से पत्रे गिराओ। उसमे यह-2 बाते हो। देहली मे 5000 वर्ष पहले परिस्तान था तो अबभी बन रहा है।अभी कब्रिस्तान है। परिस्तान कैसे बन रहा है। आकर समझो। निमन्त्रण देते रहो। रखना कोई बहुत बोर्डर बडा अच्छा सा ठाड भे आ जावे तो गुप्त मे भी कर सकता है। तो बाबा राय देते है। जैसे तो यहां पर कोठी मे एक बडा दुकान हो तो वहां हो रायल हो तो बहुत ही ग्राहक आयेंगे। मैन ही तो है नां। तुम से कवचन पाई पैसा लेकर ऐक्सचेंज मे क्या देते है। इसलिये ही गाया रहम दिल।कौडी से हीरे जैसा बनाने वाला। मनुष्य को देवता बनाने वाला।बहुत बातें तो य

[illegible]

द कना है। तुम देह नही हो। बाप एक है बार समझाते है फिर यह समझानी मिलती नही है। प का पार्ट रूप भी एक ही बार या है। यह तो बाबु तुम समझा सकते हो नी कि सतयुग मे एक ही धर्म था। सूर्यवंशी फिर चन्द्रवंशी। यह बहुत क्लीयर है। कोई भी नही जानते है। तुम बच्चो की ही बुद्धि मे है। तुम फट से कह देते हो कि गीता जो माई बाप है वो भी झूठी है सभी शास्त्र भी झूठे है। इनको पढ़ने से फायदा कुछ भी नही है। फायदा एक ही बाप से होता है। बाप नो होता तुम्हारी महिमा होती। तुम जानते हो कि हम सूर्यवंशी देवता थे। अब शूद्र बने है। फिर ब्राह्मण बन कर देवता बनना है। कितनी अच्छी समझानी मिलती है। मनुष्य-2 को दे नही सके। तुम बच्चो को अन्दर मे फखुर होना चाहिये कि भगवान हमको पढा रहे है। ऐम आब्जेक्ट नर से नारायण बनने की सामने खडी है। पहले-2 जिन्होने अव्यभिचारी भक्ति चालु की है वो ही आकर ऊंच पद पाना भी शुरू करेंगे। बाबा लिखी अच्छी-2 पुआईन्टस समझाते रहते है। बहुतो को भूल जाता है। तब बाबा कहते है कि पुआईन्टस लिखते रहो। टापिक्स लिखते रहो। डाक्टर लोग भी किताब आद पढ़ते है। उनके पास विलायत से अखबारे आती है। तुम हो मास्टर रूहानी सर्जन। तुमको सिखाते है कि आत्मा को इन्जैक्शन कैसे लगाना है। यह है ज्ञान का इन्जैक्शन। इसमे सुई आद तो कुछ है नही। बाबा को सर्जन क्यो कहते है[illegible] उसका भी अर्थ है। बाबा है अविनाशी सर्जन। आत्माओं को आकर पढाते है। वो ही अपवित्र बने है। यह तो बहुत इजी है। बाप हमको विश्व का मालिक तो बनाते है परन्तु उनको हम याद नही कर सकते है? माया की आपोजिशन बहुत है। सर्विस ही बाबा कहते है कि चार्ट रखो और सर्विस का है ख्याल करो कि दुकान को कैसे बढावे। फिर लाट निकलेगी तो बहुत खुशी होगी। छोटे-2 गांव की सर्विस तो होती ही रहती है। बड़े-2 शहरो सर्विस उठानी चाहिये। देहली है नम्बरवन। फिर कलकता, बाम्बे, मद्रास। इन बडे-2 शहरो मे

* *** * * ********* **: *****************

खोले जावे। बडे-2 दुकानो मे तो बडे-2 आदमी ही आवेंगे। अविनाशी ज्ञान रत्नो पर यूं तो खर्च है। बहुत विशाल बुद्धि बनाओ। युक्तियां रचो। गवर्मेन्ट से अच्छी-2 जगह लेकर तुम बना सकते । 1000, 1500 किराया भी हो तो हर्जा नही है। समझाना है कि इसमे तो भारत का कल्याण ही होना है। 12 मास का ऐडवांस दे देना है। 12 मास मे तो दुकान की यह ऐडवरटाईजमेन्ट हो जावेगी। दुकान चल जावेगी। दुकान खोलने पर पहले ही खर्चा होता है फिर आमदनी तो ढेर हो जाती है। अपना जीवन धन सफल करो। बाबा तो बहुत अच्छी-2 बाते सुनाते है। ऐसे-2 बडे लोग थक के दिखावे वहां तो फिर सेल्स मैन भी वैसा ही रखेंगे। हल्का सा सेल्समैन होने पर तो ग्राहकी ही चली जाती है। बच्चियां भी सीखते-2 होशियार हो जावेगी। बच्चियों को सिखलाने वाला भी खास रख देंगे। एक मास का फीस भी बहुत होगा। एक मास मे सीख कर बहुत होशियार हो जावेगी। ऐसे-2 राय करने का [illegible] करो। बहुत विशाल बुद्धि रखो। बाप राय देते है कि ऐसे-2 बडी सर्विस करो। पास्ट इज पास्ट। उसका तो ख्याल ही नही करना चाहिये। बाप जो बताते है तो आगे जरूर सब कुछ होना ही है। डरने की करके तो देखो कि क्या गजब होना है। बडो-2 को खास गीता पर समझाओ। इस एक भूल से ही भारत का यह-2 हाल हुआ है गीता के खण्डन होने कारण। मनुष्यों द्वारा गीता सुनते-2 तुम एकदम पत्थर बुद्धि बन गये हो। बाप द्वारा गीता सुनने पर तुम विश्व का मालिक बनते हो। दिमाग मे बहुत खुशी रहनी चाहिये। कटमिट मे बुद्धि जानी चाहिये। ऐम आब्जेक्ट को देख कर बहुत खुशी होनी चाहिये

और बहुत मीठा बनना है। आपस मे लून पानी नही होना चाहिये। हमेशा क्षीर खण्ड होकर रहना है गली-2 मे 20 सेन्टर भी हो जावे तो हर्जा नही है। परन्तु द्वैत भाव नही होना चाहिये। क्रोध का [illegible] रखो। [illegible] बेहद को प्यार करेंगे नो। सबको ही बेहद का प्यार करना है। तुम [illegible] ईश्वरीय सन्तान कहलाते हो नो। इस समय तुम बने हो निराकार परमपिता परमात्मा की सन्तान। यह [illegible] बहुत अमूल्य जीवन है। शरीर की सम्भाल भी करनी है। सर्विस मे तत्पर रहने और बाप से पूरा वर्सा लेने के पुरुषार्थ ही मे तत्पर रहना है। सेल्स मैन बनना है अविनाशी ज्ञान रत्नो का। बडे-2 दुकान निकालने है। बडो-2 को सेल करना है। गरीब साहूकार सब आवेंगे। यह एक ही दुकान कल्प-2 संगम पर निकलती है। बाबा खुद भी सेल करते है तो बच्चो को भी सिखलाते है।। गुडमार्निंग